15

आनंदमयी कविता

0122CH15

होली

रंग रंगीली होली आई,
सबके मन को होली भायी।
खेलें-कूदें खुशी मनाएँ,
ढोल बजाकर होली गाएँ।

निकल पड़ी मित्रों की टोली,
सबने मिलकर खेली होली।
आओ, लाल गुलाल लगाएँ,
पिचकारी से रंग उड़ाएँ।

पुए और पकवान बनाएँ,
जो घर आए, उसे खिलाएँ।
सबको अपने गले लगाएँ,
होली का संदेश सुनाएँ।

– *मधुर अथैया*

बातचीत के लिए

1. आप होली पर क्या-क्या करते हैं?
2. आप कौन-कौन से त्योहार मनाते हैं?
3. वे त्योहार आप कैसे मनाते हैं?
4. छोटे समूह में अपने मित्रों के साथ मिलकर इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

   (i) कविता में किस त्योहार की बात की गई है?

   ....

   (ii) कविता में खाने की कौन-सी वस्तुओं के नाम हैं?

   ....

© NCERT not to be republished

(iii) कविता में से शब्द खोजकर लिखिए –

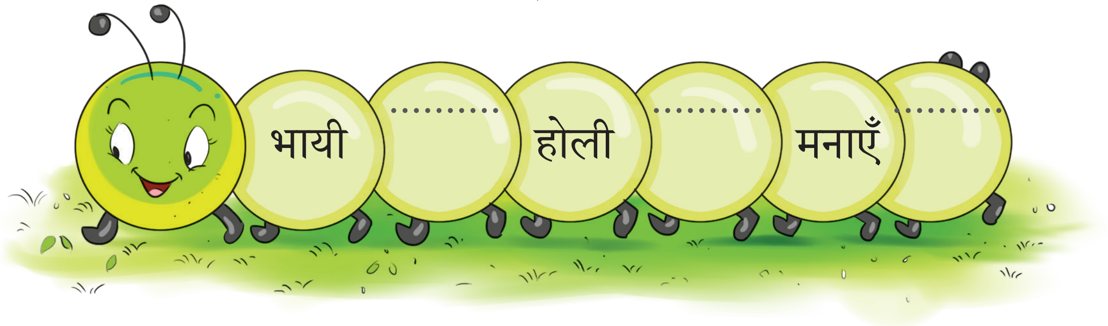

शब्दों का खेल

1. दिए गए शब्दों को पढ़िए। पहली ध्वनि पहचानिए। अलग ध्वनि से शुरू होने वाले शब्द पर गोला बनाइए –

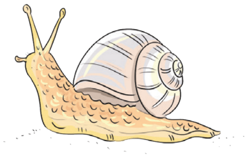

तीखा	मीठा	तेज़	तोता
भेल	भूख	भैंस	घी
घोंघा	घंटा	घंटी	भोला
छाता	छह	बाघ	छूना

2. नीचे दिए गए शब्दों को लिखिए –

एक	एड़ी	एकता	केला
....	....	....	....
ऐसा	ऐसे	ऐनक	थैला
....	....	....	....

© NCERT not to be republished

3. नीचे दिए चित्रों के नाम बताइए –

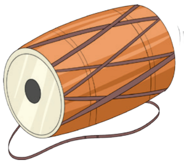 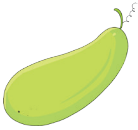 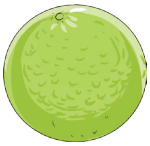

4. नीचे दिए शब्दों में 'ओ' (ो) या 'औ' (ौ) की मात्रा लगाकर शब्द लिखिए –

....

....

....

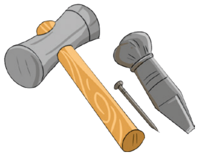
....

....

....

झटपट कहिए

माला ने मेले में माला से माला खरीदी और मेले के मटर, मक्का और मावा मालपुए माला ने खाए।

खोजें-जानें

परिवार के लोगों से बातचीत करके जानें कि आपके घर पर कौन-से त्योहार सबसे अधिक मनाए जाते हैं और क्यों?

शिक्षण-संकेत – बच्चों को झटपट बोलकर आनंद लेने वाले वाक्य स्वयं बनाने के लिए प्रोत्साहित करें, जैसे– कटा टमाटर टीटू ने खाया, खाया टीटू ने कटा टमाटर!

© NCERT not to be republished